

To

July 14, 2022

The Manager (Listing Department)
National Stock Exchange of India Limited
Exchange Plaza
Plot No. C/1, G Block
Bandra Kurla Complex, Bandra East
Mumbai -400051

NSE Scrip Symbol: RAJMET

Sub: Newspaper Advertisement – Board Meeting Outcome (Quarterly Results with Limited Review Report for First Quarter ended June 30, 2022)

Dear Sir / Madam,

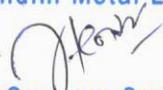
Please find enclosed herewith the copies of newspaper advertisement regarding Board Meeting Outcome (Quarterly Results with Limited Review Report for First Quarter ended June 30, 2022) which has been published in English newspaper ie. Business Standard - English and in Hindi newspaper ie. Business Standard - Hindi dated July 14, 2022.

Copy of said newspaper advertisement are also available on our website at www.rajnandinimetal.com.

You are requested to kindly take the same on record.

Thanking You,

FOR RAJNANDINI METAL LIMITED
For Rajnandini Metal Limited


Company Secretary

Jitendra Kumar Sharma
(Company Secretary)



RAJNANDINI METAL LIMITED

Corporate Office : Plot No. 344, Sector 3, Phase -II, IMT Bawal 123501 (Haryana) (INDIA)
Tel.: 01284-264194, 264196, 264197, 264198
E-mail : info@rajnandinimetal.com, hrsharma@rajnandinimetal.com
Website : www.rajnandinimetal.com
CIN : L51109HR2010PLC040255

हर पांचवां कारोबार अब मोबाइल से जारी रही रुपये की लुढ़कन

नई पीढ़ी के खुदरा निवेशकों के लिए मोबाइल ट्रेडिंग पसंदीदा जरिया, कुल हिस्सा है 20 फीसदी

सुंदर सेतुरामन
तिरुवनंतपुरम, 13 जुलाई

नई पीढ़ी के निवेशकों ने भारी उत्साह के साथ मोबाइल फोन के जरिए शेयर ट्रेडिंग को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है, जिसकी मुख्य वजह कोविड-19 महामारी के बाद हुआ सामाजिक बदलाव है।

नकदी बाजार के टर्नओवर में मोबाइल फोन के जरिए होने वाला कारोबार जून 2019 के 5.3 फीसदी के मुकाबले जून 2022 में बढ़कर 18.7 फीसदी पर पहुंच गया। बीएसई के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। एनएसई पर मोबाइल ट्रेडिंग की हिस्सेदारी जून 2022 में 19.5 फीसदी रही।

एनएसई की रिपोर्ट में कहा गया है, इंटरनेट आधारित ट्रेडिंग ने मार्च 2020 के बाद से रफ्तार पकड़ी है। राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के बाद से खुदरा भागीदारी में इंजाफे के कारण ऐसी ट्रेडिंग बढ़ी है।

एक्सचेंज ने हालिया न्यूजलेटर में कहा है, खुदरा निवेशकों व ट्रेडरों ने अपने घर से सीधे इक्विटी में ट्रेड के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल शुरू किया है।

उद्योग के प्रतिभागियों ने कहा, ज्यादातर युवा निवेशक सक्रिय ट्रेडर बन रहे हैं और स्मार्टफोन के व्यापक



प्रसार व डेटा के कम शुल्क इस प्रवृत्ति को मजबूती दे रहे हैं। 5पैसा कैपिटल के सीईओ प्रकाश गगडानी ने कहा, हमारे 70 से 75 फीसदी ग्राहक नई पीढ़ी के हैं और वे ट्रेड कर रहे हैं। जब से हमने कारोबार शुरू किया है, मोबाइल ऐप का योगदान कुल कारोबार में 70 फीसदी रहा है।

आसानी से खाता खुलना मोबाइल ट्रेडिंग में बढ़ोतरी के मामले में अहम है। आधार ने डीमैट खाता बिना किसी परेशानी के खोलना आसान बना दिया है।

गगडानी ने कहा, जिस तरह की

बढ़त हम देख रहे हैं, उसके लिए आधार के जरिए खाता खुलना उत्प्रेरक की तरह रहा है। इससे पहले ग्राहकों को कम से कम 16-17 हस्ताक्षर आवेदन फॉर्म पर करने होते हैं और फॉर्म के साथ संलग्न किए जाने वाले सभी दस्तावेजों को स्वप्रामाणित करना होता है। आधार के जरिए खाता खोलने पर ये प्रक्रियाएं नहीं अपनायी पड़ती। विशेषज्ञों ने कहा, चूंकि निवेशकों ने डिजिटल माध्यम तेजी से अपनाया है और ब्रोकिंग समुदाय ने तकनीक में ज्यादा निवेशकिया है, ऐसे में डीलरों के जरिये आने

बढ़ रहा योगदान

■ नकदी बाजार के टर्नओवर में मोबाइल फोन के जरिए होने वाला कारोबार जून 2019 के 5.3 फीसदी के मुकाबले जून 2022 में बढ़कर 18.7 फीसदी पर पहुंच गया

■ एनएसई पर मोबाइल ट्रेडिंग की हिस्सेदारी जून 2022 में 19.5 फीसदी रही

■ एनएसई की रिपोर्ट में कहा गया है, इंटरनेट आधारित ट्रेडिंग ने मार्च 2020 के बाद से रफ्तार पकड़ी है

■ आधार ने डीमैट खाता बिना किसी परेशानी के खोलना आसान बना दिया है

वाला वॉल्यूम मोबाइल की ओर शिफ्ट कर गया है क्योंकि महामारी के बाद डीलिंग रूम में कर्मियों की उपलब्धता सीमित हो गई है।

चूंकि उद्योग का तकनीक पर खर्च बढ़ा है, ऐसे में वे कर्मचारी लागत पर बचत में सक्षम हुए हैं।

येस सिक्वोरिटीज के एमडी व सीईओ ई. प्रशांत प्रभाकरण ने कहा, पिछले 10 साल में कर्मियों की संख्या घटकर 10 फीसदी रह गई है और वॉल्यूम दोगुने से ज्यादा हो गया है। हम रिलेशनशिप मैनेजर के बड़े नेटवर्क के बिना ऐसा कर पाए क्योंकि तकनीक उपलब्ध थी।

उस समय तक फोन नकनदी बाजार में ट्रेडिंग का तरजीही माध्यम बन गया था।

इससे पहले क्लाइंट ब्रोकर के कंप्यूटर टु कंप्यूटर लिंक सिस्टम का इस्तेमाल ऑर्डर के लिए करते थे और वह भी डीलरों की मदद से। संस्थागत निवेशक और हाई प्रोफिटेबिलिटी ट्रेडर कोलोकेशन सुविधा का इस्तेमाल एक्सचेंजों पर बड़े ऑर्डर में करते हैं।

बड़े फायदे

मोबाइल ट्रेडिंग ने ट्रेडिंग की लागत काफी कम करने में मदद की है क्योंकि इसने ऑर्डर के लिए किसी व्यक्ति पर आश्रित होने की अनिवार्यता खत्म कर दी है। चूंकि किसी व्यक्ति के लिए कार्य की एक सीमा होती है, ऐसे में जब ब्रोकरेज के कर्मी के जरिए ऑर्डर दिए जाते हैं तब गलत ट्रेड काफी ज्यादा होते हैं।

इसके अतिरिक्त, चूंकि डीलर ट्रेड की सिफारिश करते हैं, ऐसे में क्लाइंटों को नुकसान होने की संभावना ज्यादा होती है।

अब चूंकि ग्राहक खुद ही मोबाइल पर ट्रेड करते हैं, ऐसे में अपने ब्रोकर के साथ चिपके रहने की संभावना ज्यादा होती है जबकि उनकी तरफ से होने वाला लेनदेन कम ही क्यों न हो।

भास्कर दत्ता
मुंबई, 13 जुलाई

डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार तीसरे दिन नए निचले स्तर पर टिका, जिसकी वजह कच्चे तेल की कीमतों में सुधार और उभरते बाजारों से पूंजी की निकासी डॉलर की ओर जाना है। देसी मुद्रा बुधवार को डॉलर के मुकाबले 79.64 पर बंद हुई, जो एक दिन पहले 79.60 रुपये पर बंद हुई थी।

कारोबार के दौरान रुपये ने डॉलर के मुकाबले अब तक के निचले स्तर 79.68 को छू लिया था।

मौजूदा हफ्ते में रुपये ने डॉलर के मुकाबले 0.5 फीसदी का नुकसान दर्ज किया और इस साल अब तक रुपये की गिरावट 6.7 फीसदी पर पहुंच गई है। इस कैलेंडर वर्ष में डॉलर इंडेक्स 13 फीसदी मजबूत हुआ है और यह बुधवार को 20 साल के उच्चस्तर पर रहा।

यूक्रेन में युद्ध और वैश्विक अर्थव्यवस्था में नरमी को लेकर चिंता व फेडरल रिजर्व की मौद्रिक सख्ती की योजना ने निवेशकों को सुरक्षित अमेरिकी डॉलर की ओर धकेला है।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय परिसंपत्तियों



से इस साल अब तक 30.4 अरब डॉलर निकाले हैं और ज्यादातर निकासी इक्विटी से हुई। यह जानकारी एनएसडीएल के आंकड़ों से मिली। साल 2008 में वैश्विक आर्थिक संकट के दौरान विदेशी निवेशकों की शुद्ध बिकवाली पूरे साल में 9.3 अरब डॉलर रही थी। एचडीएफसी सिक्वोरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने बिजनेस स्टैंडर्ड

से कहा, कच्चे तेल की कीमत में रिकवरी, मजबूत डॉलर इंडेक्स और विदेशी फंडों की तरफ से निकासी के कारण कमजोर देसी इक्विटी की कमजोरी का असर रुपये पर पड़ा, जब केंद्रीय बैंक व सरकार ने कई कदम उठाए।

कच्चे तेल की कीमतें बुधवार को बढ़ी, जो अप्रैल के बाद पहली बार पिछले कारोबारी सत्र में 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे चली गई थी। ब्रेंट क्रूड प्चर 0.7 फीसदी चढ़कर 100.22 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। रॉयटर्स ने यह जानकारी दी। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें भारत के व्यापार घाटा और महंगाई पर दबाव बढ़ा रहा है क्योंकि देश की अर्थव्यवस्था तेल के आयात पर काफी ज्यादा निर्भर है।

11 महीने के निचले स्तर पर म्युचुअल फंड उद्योग की प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति



सर्वोच्च स्तर से 6 फीसदी नीचे एयूएम

अवधि एयूएम (लाख करोड़ रुपये)

जनवरी 21	30.50
फरवरी 21	31.64
मार्च 21	31.43
अप्रैल 21	32.38
मई 21	33.06
जून 21	33.06
जुलाई 21	35.32
अगस्त 21	36.59
सितंबर 21	36.74
अक्टूबर 21	37.33
नवंबर 21	37.34
दिसंबर 21	37.73
जनवरी 22	38.01
फरवरी 22	37.56
मार्च 22	37.57
अप्रैल 22	38.04
मई 22	37.22
जून 22	35.64

स्रोत : एम्फी संकलन : बीएस रिसर्च ब्यूरो

स्पेक्ट्रम पर मोटा खर्च करेगी फर्मे

सुरजीत दासगुप्ता
नई दिल्ली, 13 जुलाई

देश की दो प्रख्यात दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियों रिलायंस जियो और भारती एयरटेल द्वारा आगामी नीलामी में 62,000 करोड़ रुपये से 80,000 करोड़ रुपये के बीच खर्च किए जाने की संभावना है। इस घटनाक्रम से अलग-अलग प्रक्रियाओं का कहना है कि इन कंपनियों द्वारा बोली प्रक्रिया के लिए तय फॉर्मूले के आधार पर 3.5 गीगाहर्ट्ज और मिलीमीटर बैंड में 5जी स्पेक्ट्रम खरीदे जाने की योजना है। वहीं वीआईएल नई दावेदार अदाणी समूह भी इस नीलामी प्रक्रिया में हिस्सा लेने की संभावना तलाश रही है। विश्लेषकों का कहना है कि इन दो स्पेक्ट्रम बैंडों की बिक्री से करीब 100,000 करोड़ रुपये हासिल हो सकते हैं।

एक दूरसंचार कंपनी का मानना है कि उसे अगले दो तीन साल में स्पेक्ट्रम के लिए 40,000 करोड़ रुपये और नेटवर्क निर्माण पर अन्य 60,000 करोड़ रुपये निवेश होने की संभावना है। कुल लागत बढ़कर 150,000 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है। भले ही, अच्छी बात यह है कि कंपनियों को स्पेक्ट्रम के लिए भुगतान 7.2 प्रतिशत ब्याज के साथ 20 किशतों में करना होगा जिससे उन पर सालाना वित्तीय खर्च का दबाव काफी घट जाएगा।

दूरसंचार कंपनियों को फिर से 700 मेगाहर्ट्ज बैंड दिए जाने की



संभावना है, जिसमें 5जी उपकरण उपलब्ध है। इन कंपनियों में चर्चा से अलग सूत्रों का कहना है कि वे 3.5 गीगाहर्ट्ज में 80 मेगाहर्ट्ज और मिलीमीटर बैंड में 1,000 मेगाहर्ट्ज हासिल करने के लिए पूरे भारत में बोलियों के लिए विभिन्न समावेश पर काम कर रही हैं। या फिर ये कंपनियां 3.5 गीगाहर्ट्ज में 100 मेगाहर्ट्ज और मिलीमीटर बैंड में 1,000 मेगाहर्ट्ज के वैश्विक मानक पर अमल कर सकती हैं, जो मजबूत नेटवर्क तैयार करने के लिए मूल जरूरत है। ऐसे नेटवर्क के लिए संयुक्त तौर पर आधार कीमत के हिसाब से 77,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने की जरूरत होगी।

वोडाफोन आइडिया ने कहा है कि उसके द्वारा 5जी के लिए इस्तेमाल की अधिक जरूरत नहीं लग रही है और वह 5जी में स्पेक्ट्रम सिर्फ कुछ खास क्षेत्रों में अपने 4जी स्पेक्ट्रम की मदद के लिए खरीदेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है, 'लेकिन अपना व्यवसाय बरकरार रखने के लिए उसे उन सर्फिलों में 5जी स्पेक्ट्रम खरीदना हागा, जहां वह ग्राहकों की संख्या के आधार पर प्रमुख दो कंपनियों में शुमार है। वहीं अगर अदाणी समूह द्वारा कंज्यूमर मोबिलिटी पर जोर नहीं दिए जाने की अपनी रणनीति पर कायम रहता है तो कुछ सर्फिलों को छोड़कर नीलामी में मूल्य निर्धारण पर कोई दबाव नहीं पड़ेगा।'

आगामी नीलामी पर नजर

■ रिलायंस जियो और एयरटेल 3.5 गीगाहर्ट्ज में 80-130 मेगाहर्ट्ज और मिलीमीटर बैंड में 800-1000 मेगाहर्ट्ज के दायरे में स्पेक्ट्रम पर विचार कर रही हैं

■ 700 मेगाहर्ट्ज के लिए बोलियां लगाए जाने की संभावना नहीं है, जिसका इस्तेमाल ऊंची आधार कीमत की वजह से 5जी के लिए किया जा रहा है

■ वीआईएल ने कहा है कि वह कुछ 5जी के लिए बोली लगाएगी, जो कुछ क्षेत्रों में उसके 4जी नेटवर्क को बढ़ाने में ज्यादा सक्षम है

■ अदाणी भी मिलीमीटर बैंड में स्पेक्ट्रम हासिल करने पर विचार कर रहा है और वह पूरे भारत के बजाय कुछ सर्फिल के लिए बोली लगा सकता है

दूरसंचार कंपनियों द्वारा अपनी जरूरत के आधार पर अन्य बैंडों में भी स्पेक्ट्रम खरीदने की संभावना है। रिलायंस जियो कुछ सर्फिलों में 850 मेगाहर्ट्ज बैंड में अतिरिक्त स्पेक्ट्रम खरीद सकती है। उसके पास पूरे देश में 1800 बैंड की 10 मेगाहर्ट्ज और 2300 बैंड श्रेणी में 40 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम है। 850 बैंड में, तीन सर्फिलों में कंपनी के पास 10 मेगाहर्ट्ज और 8 सर्फिलों में 6 से ज्यादा मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम उपलब्ध है। उसकी प्रतिस्पर्धी एयरटेल भी 900 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम के लिए अपनी जरूरत को मजबूत बना सकती है। वहीं वीआईएल समान राह पर आगे बढ़ेगी।

हिंदुस्तान जिंक देगी 21 रुपये प्रति शेयर लाभांश

हिंदुस्तान जिंक ने बोर्ड बैठक के बाद बुधवार को 21 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश का ऐलान किया।

कंपनी ने कहा कि लाभांश के तहत कुल भुगतान 8,873 करोड़ रुपये का होगा। कंपनी ने कहा, लाभांश के लिए रिकॉर्ड तारीख 21 जुलाई होगी और तय समय में इसका भुगतान कर दिया जाएगा।

हिंदुस्तान जिंक का शेयर बीएसई पर बुधवार को 1.44 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 271.85 रुपये पर बंद हुआ। अनिल अग्रवाल की अगुआई वाली वेदांत की हिंदुस्तान जिंक में 64.9 फीसदी हिस्सेदारी है। इस कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 29.5 फीसदी है।

पिछले हफ्ते केंद्र सरकार ने इस कंपनी की 29.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचने में सहायता करने के लिए मर्चेंट बैंकर से बोली मांगी थी। सरकार की योजना खुले बाजार में विभिन्न चरणों में हिस्सेदारी बेचने की है।

बीएस

केनरा, यूनियन बैंक जुटाएंगे 4,000 करोड़

सरकार के स्वामित्व वाले ऋणदाताओं यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और केनरा बैंक ने एडीशनल टियर-1 (एटी-1) बॉन्डों के जरिये अगले सप्ताह के शुरू तक करीब 4,000 करोड़ रुपये जुटाए जाने की योजना है।

अधिकारियों ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि यूनियन बैंक ने 1,000-2,000 करोड़ रुपये, जबकि केनरा बैंक ने 2,000 करोड़ रुपये तक के एटी-1 बॉन्ड जारी करने की योजना बनाई है। इस घटनाक्रम से अलग-अलग अधिकारी ने

क्रिप्टो एक्सचेंजों पर कसा शिकंजा

पृष्ठ-1 का शेष

जांच से यह खुलासा भी हुआ है कि वजीरएक्स, कॉइन डीसीएक्स और कॉइनस्विच जैसे अग्रणी क्रिप्टोकॉर्सी एक्सचेंजों ने विदेशी यूजर्स को तीसरे पक्ष के विदेशी एक्सचेंज जैसे कॉइनबेस, हिचबीटीसी का उपयोग कर एक क्रिप्टो को दूसरे क्रिप्टो में बदलने की सुविधा प्रदान की और उस पर कमीशन कमाया। जांच एजेंसी कम से कम 11 क्रिप्टो एक्सचेंजों द्वारा विदेशी मुद्रा नियमों के उल्लंघन की जांच कर रही है। इसी दौरान उसे यह जानकारी मिली। एजेंसी ने इस महीने के प्रारंभ में कुछ क्रिप्टो एक्सचेंजों को नोटिस जारी कर नियमों का अनुपालन नहीं किए जाने पर सफाई मांगी थी।

एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया, 'ये क्रिप्टो एक्सचेंज दुनिया के किसी भी व्यक्ति को बिना पहचान के क्रिप्टो

कहा, 'यूनियन बैंक ने पिछले सप्ताह के अंत में इस संबंध में बैठक की थी। उन्होंने 2,000 करोड़ रुपये के लिए रेंटिंग हासिल की है।'

सूत्रों का कहना है कि यूनियन बैंक और केनरा बैंक के बॉन्ड निर्गमों, दोनों के लिए मिली रेंटिंग एए+ है। अधिकारियों का कहना है कि केनरा बैंक 8.10 प्रतिशत की ब्याज दर या कूपन पर एटी-1 बॉन्ड जारी करना चाहता है, जबकि यूनियन बैंक के बॉन्डों का मूल्य 8.65 प्रतिशत बीएस

सौदे करने दे रहे हैं। संपर्क किए जाने पर एक एक्सचेंज ने बताया कि उन यूजर्स के आईपी एड्रेस ही लिए गए थे। उन्होंने कहा कि ये एक्सचेंज योजना ऐसे सिकड़ों लेनदेन करते हैं, जिनमें बिना किसी पहचान के बैंकों और डीलरों के जरिये क्रिप्टो से भारतीय रुपये में बदला जा रहा है। यह आरबीआई की 2018 की अधिसूचना और फेमा नियमों का उल्लंघन है।

कॉइनस्विच से संपर्क करने पर उसके प्रवक्ता ने कहा, 'हमसे विभिन्न सरकारी एजेंसियों ने सवाल पूछे हैं। पारदर्शिता हमेशा हमारा सिद्धांत रहा है। क्रिप्टो उद्योग शुरुआती चरण में है, जिसमें बहुत संभावनाएं हैं और हम लगातार सभी भागीदारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।' वजीरएक्स ने इस मामले को विचाराधीन बताकर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। कॉइनडीसीएक्स को भेजे ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला।

जून तिमाही में माइंडट्री का मुनाफा बढ़ा

बीएस संवाददाता
मुंबई, 13 जुलाई

मिडकैप आईटी सेवा कंपनी माइंडट्री का शुद्ध लाभ जून तिमाही में सालाना आधार पर 29.7 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 471.6 करोड़ रुपये रहा। क्रमिक आधार पर हालांकि लाभ 0.3 फीसदी कम रहा।

तिमाही में कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 36.2 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 3,121 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। तिमाही आधार पर राजस्व में 7.7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई।

कंपनी ने कहा कि स्थायी मुद्रा के लिहाज से राजस्व में 5 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी की यह लगातार छठी तिमाही है। अमेरिकी डॉलर के लिहाज से राजस्व क्रमिक आधार पर 5.5 फीसदी बढ़कर 39.93 करोड़ डॉलर रहा।

कंपनी के मुख्य कार्याधिकारी व प्रबंध निदेशक देवाशिष चटर्जी ने कहा, हम वित्त वर्ष 23 की मजबूत शुरुआत को लेकर उत्साहित हैं, जहां राजस्व में मजबूत बढ़ोतरी, टोस मार्जिन और रिकॉर्ड ऑर्डर बुक देखने को मिला, जो उद्योग में अग्रणी बढ़त की रफ्तार जारी रहने की बात कहता है। कंपनी ने कहा, हमारा एबिटा 21.1 फीसदी रहा। तिमाही में नौकरी छोड़ने की दर 24.5 फीसदी रही, जो पिछली तिमाही के 23.8 फीसदी और पिछले साल की समान अवधि के 13.7 फीसदी के मुकाबले ज्यादा है। कंपनी ने तिमाही में 4,700 से ज्यादा कर्मी जोड़े।

STATEMENT OF STANDALONE UN-AUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER ENDED JUNE 30, 2022				
(Amount in Rs. Lakhs)				
Particulars	Quarter Ended			Year ended
	30.06.2022	31.03.2022	30.06.2021	31.03.2022
	Un-Audited	Audited	Un-Audited	Audited
1 Total Income from Operations	26,315.52	32,695.65	182,66.71	1,02,949.45
2 Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and / or Extraordinary Items)	552.21	450.37	237.33	1,415.23
3 Net Profit / (Loss) for the period before Tax (after Exceptional and / or Extraordinary items)	552.21	450.37	237.33	1,415.23
4 Net Profit / (Loss) for the period after Tax (after Exceptional and / or Extraordinary items)	359.24	317.93	157.75	1,001.82
5 Total Comprehensive Income for the period (Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and other Comprehensive Income (after tax)	359.24	317.93	157.75	1,001.82
6 Paid up Equity Share Capital	1,843.20	1,843.20	1,228.80	1,843.20
7 Basic EPS (Face Value of Rs. 10/-)	1.94	1.72	1.28	5.44
Diluted EPS (Face Value of Rs. 10/-)	1.94	1.72	1.28	5.44

Notes:

- The above un-audited stand alone financial results have been reviewed by the Audit Committee and than taken on record by Board of Directors at their meeting held on 13th June, 2022.
- The statutory auditors have carried out limited review of the financial results of the company for the quarter ended June 30, 2022 under regulation 33 of the SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The Statutory Auditors have expressed an unmodified report of the above results.
- The Financial results of the Company has been prepared in accordance with the Indian Accounting Standards (Ind AS) notified by the Ministry Of Corporate Affairs under the Companies (Indian Accounting Standard) Rule, 2015 as amended from time to time, specified in section 133 of Companies Act, 2013.
- Tax expenses include current tax, deferred tax and adjustment of taxes for previous years.
- The Company is not having any subsidiary, associate or joint venture; therefore its has prepared only standalone results as consolidation requirement is not applicable to the company.
- The above Financial results are available on the Company's website www.rajnandinimetal.com
- The figures of the previous periods have been regrouped / rearranged / and / or recast wherever found necessary to make them comparable.

By order of the Board
For Rajnandini Metal Limited
Sd/-
Het Ram Sharma
Managing Director
DIN: 02925990

Date: July 13, 2022
Place: Bawal